सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 101 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 16 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जब लोहे की रॉड गरम हो जाती है आप उसे किसी भी आकार में ढाल सकते हैं..! कभी भी अपना मिजाज खराब मत करिए नहीं तो लोग आपको उसी तरह ढाल देंगे जैसा वे चाहते हैं। -ब्रह्माकुमारी शिवानी

15 दिन में लें फैसला, नहीं तो... 8 | कांग्रेस में उत्साह, आसान हुई... 3 | सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने के... 7

डीके शिवकुमार या सिद्धारमैया किसके सिर सीएम का ताज

शाम तक हो सकता मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान

» कांग्रेस में चल रहा चर्चाओं का दौर

» कर्नाटक की सीएम कुर्सी पर असमंजस

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के कुछ दिन बाद भी राज्य के अगले मुख्यमंत्री को लेकर असमंजस बना हुआ है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, जो मुख्यमंत्री पद के दो दावेदारों में से एक हैं, मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने अपना पक्ष रखने दिल्ली पहुंच रहे हैं।

वरिष्ठ पार्टी नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, जो खुद भी मुख्यमंत्री पद के दूसरे दावेदार हैं, सोमवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। पार्टी नेतृत्व, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी शामिल हैं, को कल पर्यवेक्षकों की टीम ने कर्नाटक के नव-निर्वाचित विधायकों के विचारों से अवगत कराया था। टीम ने सभी विजेताओं से मुलाकात की थी और रविवार को गुप्त मतदान भी करवाया था।

पार्टी मां की तरह, सब कुछ देगी : शिवकुमार

दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले डी.के. शिवकुमार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह कोई पद पाने के लिए पार्टी को न धोखा देंगे, न पार्टी को ब्लैकमेल करेंगे। उन्होंने कहा, अब 20 सीटें (लोकसभा चुनाव में) जीतना हमारी अगली चुनौती है, हमारी पार्टी एकजुट है, और मैं किसी को बांटना नहीं चाहता, मैं जिम्मेदार शख्स हूं, मैं न पार्टी को धोखा दूंगा, न पार्टी को ब्लैकमेल करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह आज जहां भी हैं, कांग्रेस की बदौलत ही हैं, उन्होंने कहा, कि हमने यह पार्टी (कांग्रेस) बनाई है, हमने यह घर बनाया है, मैं इसका हिस्सा हूं, एक मां अपने बच्चे को सब कुछ देगी।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के आवास पर पहुंचे राहुल

कर्नाटक का अगला सीएम अब दिल्ली में तय होगा। इसके लिए सोनिया और राहुल गांधी से सलाह ली जाएगी। राहुल गांधी दोपहर 12.30 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। आज सुबह पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक भी कांग्रेस अध्यक्ष से मिले। इनके बीच क्या बात हुई, यह सामने नहीं आई है।

फाइल फोटो

तीनों पर्यवेक्षकों ने रिपोर्ट आलाकमान को सौंपी

बेंगलुरु से दिल्ली तक सोमवार को दिनभर बैठकें हुईं। विधायकों से रायशुमारी कर दिल्ली पहुंचे तीनों पर्यवेक्षकों सुशील कुमार शिंदे, भंवर जितेंद्र सिंह और दीपक बावरिया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपनी रिपोर्ट सौंपी। कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने मीटिंग से बाहर आने के बाद कहा कि खड़गे रिपोर्ट का अध्ययन करेंगे। सोनिया और राहुल गांधी से सलाह लेंगे। प्रमुख नेताओं से चर्चा करेंगे। इसके बाद मंगलवार शाम तक इस बारे में फैसला हो सकता है।

मोदी सरकार के नौ साल पूरे

» देश भर में कई कार्यक्रम

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इन नियुक्तियों को भी संबोधित किया। अपने संबोधन में कहा कि 16 मई 2014 को नौ साल पहले लोकसभा चुनाव के नजीजे आए थे, तब पूरे देश में जोश और उमंग की लहर थी।

इन नौ वर्षों के दौरान सरकार ने रोजगार के नए अवसरों का निर्माण किया। बीते नौ साल में सरकार ने कैपिटल एक्सपेंडेचर में 34 हजार लाख करोड़ रुपये खर्च किए। इस पैसे से देश में हाइवे बने और विकास के काम हुए. पीएम ने कहा कि देश के 9 करोड़ लोगों ने मुद्रा योजना की मदद से अपने स्वरोजगार शुरू किया है. भारत के युवाओं के पास अलग-

अलग सेक्टर्स में काम करने की स्किल के लिए कौशल विकास केंद्रों और आईआईटी और आईआईएम तैयार की गई है।

लालू के करीबी के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

राजद विधायक किरण देवी पर शिकंजा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

आरा। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की करीबी और विधायक किरण देवी पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने शिकंजा कसा है। पटना में सरकारी आवास सहित भोजपुर में विधायक और उनके पति के ठिकानों पर सीबीआई की टीम पांच घंटे से तलाशी ले रही है। पटना हज भवन स्थित राजद विधायक किरण देवी के 28 नंबर सरकारी आवास पर छापामारी चल रही है।

वहीं, भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र अंतर्गत अगिआंव स्थित आवास पर तलाश चल रही है। विधि व्यवस्था की समस्या नहीं हो इसके लिए केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवानों को छापामारी के दौरान तैनात किया गया है। पटना आवास पर नौकर समेत अन्य स्टाफ भी आवास पर मौजूद हैं।करीबी सूत्रों ने बताया कि सुबह छह बजे से छापामारी जारी है। हालांकि, सीबीआई किस मामले में कार्रवाई कर रही है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। आवास पर विधायक और पूर्व विधायक समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद हैं। वहीं, विधायक के करीबी भी धीरे-धीरे आवास पहुंच रहे हैं।

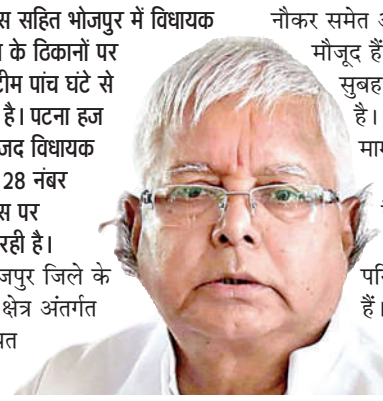

बालू के बड़े कारोबारी हैं विधायक के पति

बता दें कि किरण देवी के पति अरुण यादव भी विधायक रह चुके हैं। अरुण यादव भोजपुर के बड़े बालू कारोबारी भी हैं। आरा से लेकर पटना तक उनका कारोबार फैला है। अरुण यादव के जेल में रहने के कारण पिछले चुनाव में संदेश विधानसभा क्षेत्र से उनकी पत्नी किरण देवी को राजद ने टिकट दिया था। उल्लेखनीय है कि किरण देवी के पति और पूर्व विधायक अरूण यादव पर साल 2019 में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा था। 19 जुलाई 2019 को नगर थाना अंतर्गत कबीरगंज निवासी युवक के बयान पर अरुण देवी समेत दो लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी कराई गई थी। इसके तीन साल बाद 16 जुलाई 2022 को पूर्व विधायक अरुण यादव ने पोक्सो के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार सिंह के कोर्ट में समर्पण किया था। उस समय कोर्ट के आदेश पर पूर्व विधायक को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

भाजपा सरकार में ईमानदार अफसरों की उपेक्षा : अखिलेश

» सरकार ने बात न मानने पर निष्क्रिय पदों पर भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार में ईमानदार अधिकारियों की उपेक्षा की जा रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सहारनपुर की छुटमालपुर नगर पंचायत मामले में सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सरकार ईमानदार अधिकारियों को बात न मानने पर हटा रही है और उन्हें निष्क्रिय पदों पर भेज रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ईमानदार अधिकारियों को निष्क्रिय पदों पर भेजकर अपनी बेईमानी का सबूत दे रही है। सहारनपुर में 22 मतों से सपा के नगर पंचायत अध्यक्ष की जीत को दबाव के बाद भी एक सत्यनिष्ठ अधिकारी द्वारा न बदले जाने पर, उसे ही इस सरकार ने बदल दिया। सपा ईमानदारों अधिकारियों के साथ है। भाजपा सरकार ईमानदार अधिकारियों को निष्क्रिय पदों पर भेजकर अपनी बेईमानी का सबूत दे रही है। सहारनपुर में 22 मतों से सपा के नगर पंचायत अध्यक्ष की जीत को दबाव के बाद भी एक सत्यनिष्ठ अधिकारी द्वारा न बदले जाने पर, उसे ही इस सरकार ने बदल दिया। इलाके की एसडीएम रम्या आर को वहां से हटाकर डीएम ऑफिस से अटैच कर दिया गया है। यूपी नगरीय निकाय चुनाव में प्रदेश की 17 नगर निगम सीटों में से एक भी समाजवादी पार्टी के हाथ नहीं लगी।

पिछले साल अच्छा था प्रदर्शन

पिछली बार सपा ने नगर पंचायत की आठ में से पांच सीट सपा ने वर्ष 2017 में जीती थी। पिछले साल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीन जुलाई 2022 को महानगर, जिला संगठन सहित सभी कार्यकारिणी भंग कर दी थी। संगठन भंग होने के बाद क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रियता भी कम हो गई। निकाय चुनाव से ठीक पहले सपा ने जय सिंह जयंत को दोबारा जिलाध्यक्ष और सुशील दीक्षित महानगर अध्यक्ष बना दिया। इस बीच निकाय चुनाव की घोषणा हो गई। अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप की अध्यक्षता में नगर निगम चुनाव प्रबंध की कमेटी बनायी। इस कमेटी के बावजूद पार्षदी के दावेदारों की सूची ने मौजूदा दोनों विधायकों और विधानसभा प्रभारियों ने महानगर संगठन से साझा ही नहीं की। यहीं कारण रहा कि नामांकन के अंतिम दिन तक कई दावेदारों के टिकट काटे गए। महानगर संगठन ने 110 में से 83 और जिला संगठन ने 26 वार्डों में प्रत्याशी उतारे।

पहलवानों के आरोपों की जांच संदेह के घेरे में : सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

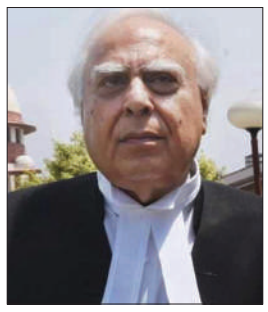

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच की निष्पक्षता पर संदेह जताया है। सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में पहलवानों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सिब्बल ने कहा, जांच पहलवानों का यौन शोषण, कुछ जांच आरोपी को दंडित करने के लिए चलती हैं। जिस तरह से यह जांच चल रही है हम जानते हैं।

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यहां एक विशेष अदालत को सूचित किया कि बृजभूषण सिंह के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के समक्ष अदालत के पहले के आदेश के जवाब में यह दलील दी गई, जिसमें पुलिस को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली पुलिस ने सिंह के अलावा डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर का भी बयान दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें पहली प्राथमिकी एक नाबालिग पहलवान के आरोपों से संबंधित है और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज की गई थी। वहीं दूसरी महिलाओं की मर्यादा भंग करने से संबंधित थी। सिब्बल ने पहलवानों के सपोर्ट में पहले भी कई ट्वीट किए है। एक ट्वीट में उन्होंने पहलवानों का समर्थन करते हुए कहा कि 'इंसाफ के सिपाही आपके साथ हैं।

16 विधायक अयोग्य होने पर भी शिंदे सरकार को खतरा नहीं : अजित पवार

» सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महाराष्ट्र में बढ़ी सियासी हलचल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महाराष्ट्र में सियासी हलचल बढ़ी हुई है। शिवसेना शिंदे गुट के 16 विधायकों के ऊपर निलंबन की तलवार लटकी हुई है, जिस पर फैसला विधानसभा अध्यक्ष को लेना है। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने ऐसी बात कही है जो शिंदे फडणवीस सरकार के लिए राहत भरी है तो उद्धव ठाकरे के लिए टेंशन बढ़ाने वाली है, पवार ने कहा है कि शिंदे सरकार को कोई खतरा नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना में बगावत पर सुनवाई के दौरान विधायकों की अयोग्यता का फैसला स्पीकर पर छोड़ दिया था। अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिंदे खेमे के 16 विधायकों की अयोग्यता मामले में तेजी से कार्रवाई की मांग करते हुए महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर को 79 पन्नों का एक पत्र सौंपा है।

सरकार के पास है बहुमत का नंबर : पवार

अजित पवार ने कहा कि अगर 16 विधायक अयोग्य करार दिए जाते हैं तो भी शिंदे और फडणवीस की सरकार गिरने वाली नहीं है। सरकार को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर 16 विधायक अपनी सदस्यता खो भी देते हैं तो 288 सदस्यों वाली विधानसभा में सरकार बहुमत का नंबर खोने वाली नहीं है। वर्तमान में सत्ताधारी शिवसेना (शिंदे गुट) और बीजेपी के पास कुल 145 विधायक हैं। जबकि अन्य विधायकों को जोड़ लिया जाए तो यह संख्या 162 पहुंच जाती है7 288 सदस्यों वाली विधानसभा में यह संख्या बहुमत के लिए आवश्यक नंबर से 17 ज्यादा है।

कर्नाटक में मिली हार से महाराष्ट्र में बीजेपी का टेंशन बढ़ गया है। बीजेपी महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 45 सीट जीतने का सपना पाले बैठी है, लेकिन जनता का ताजा रुझान उसके सपने में पलीता लगाता सा नजर आ रहा है।

समाज को तोड़ने का प्रयास कर रहे दिग्विजय : नरोत्तम मिश्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य तथा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के हमारा सनातन धर्म है और हम हिन्दुत्व को धर्म नहीं मानते बयान पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने निशाना साधा। मिश्रा ने कहा कि यह समाज को तोड़ने का कुत्सित प्रयास कर रहे है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि कभी भगवा को आतंकवाद बताते हो।

कभी जाकिर नाईक को शांति दूत बताते हो। कभी राम मंदिर निर्माण की तारीख गलत बताते हो। कभी जेएमबी और एचयूटी के पकड़े गए आतंकियों पर सवाल उठाया है। मिश्रा ने कहा कि यह जानबूझकर समाज को तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। मिश्रा ने हिज्ब उत तहरीर के आतंकी सौरभ से सलीम बने के परिवार के आरोप जाकिर नाइक के भाषण सुनकर आतंकी बनने पर कहा कि इसका जवाब जाकिर नाइक को शांति दूत करने वालों को देना चाहिए।

कर्नाटक में नाटक शुरू

राजस्थान में कांग्रेस के विवाद पर कहा कि कर्नाटक के परिणाम आए है। वहां नाटक शुरू हो गया है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हर रोज स्थितियां देखने को मिल रही है। जहां भी इनकी सरकार बनती है इस तरह नाटक शुरू हो जाते हैं। इनको जनता से कोई सरोकार नहीं रहता। कांग्रेस गुटो में बंट जाती है। वहीं, मिश्रा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पहचान पत्र देने पर कहा कि उम्रदराज नेता हैं दोनों ही 75 पार कर गए हैं। कार्यकर्ताओं को नाम से पहचान नहीं पाते इसीलिए शायद पहचान पत्र जारी करने की जरूरत पड़ रही है।

पार्टी के कील-कांटे फिर दुरुस्त करेंगी बहनजी

» 18 को मायावती करेंगी नगर निकाय चुनाव हार की समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 18 मई बसपा प्रमुख मायावती नगर निकाय चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा करेंगी। विस चुनाव में करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी को नगरीय निकाय चुनाव में भी बड़ा झटका लगा है। निकाय चुनाव में पार्टी के बेहद खराब प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के जोनल कोआर्डिनेटर से लेकर जिलाध्यक्षों तक की बैठक बुलाई है।

दरअसल, पिछले चुनाव में मुस्लिम मतों के दम पर मेरठ और अलीगढ़ के मेयर के अलावा 29 नगर पालिका परिषद और 45 नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ 627 पार्षद-सदस्य जीतने वाली बसपा का प्रदर्शन अबकी खराब रहा है। अकेले चुनाव मैदान में उतरी बसपा ने अबकी मुस्लिमों पर बड़ा दांव लगाया था। इसके बावजूद पार्टी को पिछली बार से 5.49 प्रतिशत कम वोट मिला है। लोकसभा चुनाव का सेमी फाइनल माने जाने वाले निकाय चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन को देखते हुए मायावती ने 18 मई को पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। बैठक में जोनल कोआर्डिनेटरों के साथ ही मुख्य मंडल प्रभारी, जिला वामसेफ संयोजक और सभी जिलाध्यक्ष बुलाए गए हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बैठक में हार की समीक्षा करने के साथ ही बसपा प्रमुख लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में पदाधिकारियों को निर्देश देंगी। विदित हो कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली बसपा पिछले विधानसभा चुनाव में भी सिर्फ एक ही सीट जीतने में कामयाब रही थी। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन के चलते पार्टी को 10 सीटों पर सफलता मिली थी। चूंकि अब गठबंधन टूट चुका है इसलिए निकाय चुनाव के नतीजों को देखते हुए अगले लोकसभा चुनाव में अकेले ही बसपा के उतरने पर पार्टी के लिए वर्ष 2014 जैसी स्थिति के फिर रहने की फिलहाल आशंका जताई जाने लगी है।

8.81 प्रतिशत ही मिले मत

पिछली बार पार्टी को जहां 14.30 प्रतिशत वोट मिले थे वहीं अबकी 8.81 प्रतिशत ही रह गए हैं। अबकी मेयर तो कोई जीता नहीं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष भी घटकर 16 और नगर पंचायत अध्यक्ष 37 ही रह गए हैं। पार्षद व सदस्य मिलाकर पार्टी के कुल 544 प्रत्याशी ही जीते हैं।

कांग्रेस में उत्साह, आसान हुई आगे की राह

कमलनाथ-दिग्विजय की जुगलबंदी, भाजपा के लिए खतरा

» मध्यप्रदेश पर सत्ता कब्जाने की तैयारी

» शिवराज सरकार से नाराजगी का उठा सकते हैं लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनावों के नतीजे ने कांग्रेस को संजीवनी दे दी है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस थोड़ा भी मेहनत कर ले तो वह सत्ता में वापसी कर सकती है। 2024 में भी वह बीजेपी को कड़ी टक्कर देने की स्थिति में आ गई। मध्य प्रदेश में बीजेपी में सबकुछ ठीक नही चल रहा। पिछले कुछ दिनों से वहां के दिग्गज बीजेपी नेताओं के बयान इस ओर इशारा कर रह है कि वहां के संगठन में आपसी मनमुटाव चल रहा है।

ऐसे में अगर भाजपा के अंर्तकलह, शिवराज के खिलाफ नाराजगी व सत्ता विरोधी लहर को कांग्रेस भुना ले तो मध्य प्रदेश उनके कब्जे में आ सकता है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस जश्न मना रही है और कार्यकर्ता नए उत्साह और जोश के साथ मैदान में उतरने को तैयार हैं। कर्नाटक और मध्य प्रदेश में बहुत सी समानताएं हैं। कर्नाटक की तरह ही मध्य प्रदेश में भी भाजपा-कांग्रेस में सीधा मुकाबला है। यहां भी भ्रष्टाचार एक अहम मुद्दा है। हनुमान भक्त कमलनाथ के मैदान पकड़ने से भाजपा का हिंदू कार्ड बेअसर हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने अपनी रणनीति को आकार देना शुरू कर दिया है।

हनुमान भक्त कमलनाथ से आस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक में बजरंग बली और कांग्रेस के कार्यकर्ता की जीत हुई। साफ है कि वह अपनी हनुमान भक्त की छवि को आगे ले जाना चाहेंगे। कर्नाटक में कांग्रेस ने 40

प्रतिशत कमीशन का मुद्दा उठाकर लुभावने वादे किए और भ्रष्टाचार को टारगेट किया। कांग्रेस मध्य प्रदेश में भी इसी बात को लेकर कायम है। इसी वजह से उसका फोकस ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थक विधायकों के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने को मुद्दा बनाए रखना होगा।

भ्रष्टाचार, रोजगार, ओपीएस बन सकते हैं गेम चेंजर

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस को भ्रष्टाचार, रोजगार, ओल्ड पेंशन स्कीम, किसानों के मुद्दे पर जीत मिली है। मध्य प्रदेश में भी मुद्दे कमोबेश यही रहने वाले हैं। छत्तीसगढ़ और राजस्थान की तर्ज पर ओल्ड पेंशन स्कीम लाने की कोशिश रहेगी। साथ ही भाजपा की लाड़ली बहना योजना के जवाब में कांग्रेस नारी सम्मान योजना को आगे बढ़ाएगी। वरिष्ठ पत्रकार प्रभु पटैरिया का कहना है कि कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस ने फ्रीबीज की स्कीम्स का सहारा लिया। मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस ऐसी ही घोषणाएं वचन पत्र में कर सकती हैं। किसानों के कर्ज माफी, बेरोजगारी भत्ता जैसी घोषणाएं तो रहेंगी ही। शिवराज सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस हर तरह के हथियार का इस्तेमाल करेगी।

नारी सम्मान योजना का लाभ

शिवराज सरकार की लाड़ली बहना योजना में एक करोड़ 25 लाख महिलाओं ने फॉर्म भरे है। इसमें पात्र महिलाओं को जून माह से एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इसकी काट में कमलनाथ ने नारी सम्मान योजना लॉन्च करने का वादा किया है। महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर और 1500 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया गया है। इसका फायदा लाड़ली बहना स्कीम से छूटी महिलाओं को भी मिलेगा।

एकजुट नजर आ रही है कांग्रेस

कर्नाटक ने जो बड़ा मंत्र कांग्रेस को दिया है, वह है एकजुटता का। असंतुष्ट और नाराज नेताओं को साधने के लिए कांग्रेस प्रयासशील है। साथ ही पहले से ज्यादा एकजुट नजर आ रही है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे दीपक जोशी को कांग्रेस में शामिल कर लिया है। यानी भाजपा से नाराज नेताओं को भी जोड़ने से कांग्रेस को गुरेज नहीं है। ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थकों के भाजपा में जाने के बाद से ही समीकरण गड़बड़ाए हैं। इसका लाभ कांग्रेस उठाना चाहती है।

एंटी-इनकम्बेंसी का भी असर

कमलनाथ के 15 महीने छोड़ दें तो करीब 20 साल से मध्य प्रदेश में भाजपा का ही राज है। उमा भारती और बाबुलाल गौर के बाद शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने। शिवराज की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। इसके बाद भी कई बड़े नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू की छापेमारी में बाबू और पटवारी तक करोड़पति निकले हैं। हाल ही में कारम डैम, नर्सिंग घोटाला, एएनएम पेपर लीक जैसे मामले भी सामने आए है। इन्हें मुद्दा बनाकर भाजपा को घेरा जाएगा। मध्य प्रदेश में कर्मचारी वर्ग का एक बड़ा वोटबैंक है। उनके लिए कांग्रेस पहले ही ओल्ड पेंशन स्कीम को दोबारा लाने की घोषणा कर चुकी है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर आशा कार्यकर्ता और पैरा मेडिकल स्टाफ प्रदर्शन करता रहा है। सरकारी कर्मचारियों का बड़ा तबका ओल्ड पेंशन स्कीम के नाम पर कांग्रेस के साथ खड़ा दिखता है। बेरोजगारी भी एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस ने एमपी की शिवराज सरकार को घेरा है। कर्मचारी चयन आयोग और पीएससी की भर्तियां भी अटकी पड़ी हैं।

परंपरा से हटकर पड़े मुस्लिमों के वोट

» सपा और बसपा को कई जगह झटका

» भाजपा व ओवैसी को मिले मत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । यूपी के नगर निकाय चुनाव में इसबार मुस्लिमों परंपरा से हटकर वोटिंग की है। पहले जहां सपा व बसपा इन वोटों को अपना समझती थी इस बार ये वोट छिटक कर आप, ओवैसी व भाजपा में गए। इसकी वजह से ओवैसी की पार्टी ने कई जगह खाता खोला है। सबसे बड़ी बात यह देखने को मिली भाजपा ने जहां मुस्लिमों क ो टिकट दिए वो भी भारी मात्रा में जीते हैं। कई अहम सीटों पर मुस्लिम वोटरों ने यह साफ दिखाने की कोशिश की कि वह किसी एक के पिछलग्गू नहीं हैं।

वह अपने हिसाब से वोट करेंगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह रहा कि महापौर पद पर न तो सपा जीती और न ही बसपा जबकि दोनों ने मुस्लिम उम्मीदवारों पर खूब दांव लगाया था। वहीं, कई नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा के मुस्लिम उम्मीदवार जीत गए। इस चुनाव में मुस्लिमों ने दिखाया कि वह अपने हिसाब से अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट करेंगे। मेरठ नगर निगम इसका बड़ा उदाहरण है, जहां महापौर पद पर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के उम्मीदवार ने बसपा, सपा को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। यहां अनस जब मैदान में कूदे तो किसी को यह इल्म नहीं था कि वह इतनी मजबूत लड़ाई लड़ सकेंगे। यहां तक सपा विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान को भी उन्होंने पीछे छोड़ा। ऐसा कई सीटों पर रहा मुस्लिमों ने कहीं बसपा, कहीं सपा, कहीं कांग्रेस, कहीं एआईएमआईएम को वोट किया।

एआईएमआईएम के भी खूब प्रत्याशी जीते

एआईएमआईएम ने 19 से ज्यादा पार्षद पदों पर जीत हासिल की। इसी तरह से तीन नगर पालिका अध्यक्ष, 33 नगर पालिका सदस्य, 2 नगर पंचायत अध्यक्ष और 22 नगर पंचायत सदस्य पद पर चुनाव जीता। वर्ष 2017 में एआईएमआईएम ने पार्षद के 12 पद जीते थे। नगर पालिका सदस्यों की संख्या सात थी। नगर पंचायत अध्यक्ष मात्र एक था तो नगर पंचायत सदस्य 6 ही थे।

सात स्थानों पर दूसरे नंबर पर रहे मुस्लिम उम्मीदवार

17 नगर निगमों में से अलीगढ़, गाजियाबाद, फिरोजाबाद, मथुरा, मेरठ, शाहजहांपुर, सहारनपुर में मुस्लिम प्रत्याशी दूसरे नंबर पर रहे। इस चुनाव में मुस्लिम वोटरों ने स्पष्ट कर दिखाया कि वे सिर्फ सपा और बसपा के ही साथ नहीं हैं। अन्य विकल्पों को भी देख रहे हैं। मेरठ में एआईएमआईएम के उम्मीदवार अनस को 1,15,964 वोट मिले और वह सपा की उम्मीदवार सीमा प्रधान और बसपा के हशमत मलिक दोनों से आगे रहे। इस निकाय चुनाव में सभी की निगाह मुस्लिमों पर थीं। बसपा ने 17 में से 11 महापौर प्रत्याशी मुस्लिम बनाए थे। सपा ने 4 सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया। हैरत की बात यह रही कि भाजपा ने भी इस बार कई मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। भले ही महापौर पद पर भाजपा ने मुस्लिम दांव न खेला हो पर अन्य पदों पर 395 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे। इनमें भाजपा के पांच से ज्यादा नगर पंचायत अध्यक्ष पद जीत गए। उसके पार्षद और नगर पालिका सदस्य, पंचायत सदस्य भी जीते।

अपने-अपने दावे

हालांकि कई राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि मुस्लिम फिर से बंट गए। कुछ अन्य का कहना है कि यदि मुस्लिम भटकते तो फिर कई सीटों पर भाजपा को क्यों जिताते। मसलन, आगरा में बसपा की लता को डेढ़ लाख से ज्यादा वोट मिले। इसमें मुस्लिमों की संख्या काफी रही। यहां सपा भी 47 हजार से ज्यादा वोट पा गई। झांसी में कांग्रेस के महापौर उम्मीदवार को 39 हजार से ज्यादा वोट मिले। माना जा रहा है कि मुस्लिम मतों के सहारे ही वह नंबर दो पर पहुंच पाए। बसपा और सपा उम्मीदवार को 21-21 हजार से ज्यादा मत मिले। यहां मुस्लिमों ने अलग ही गणित तय किया।मुरादाबाद में भी यही रहा। कांग्रेस प्रत्याशी रिजवान को एक लाख 17 हजार वोट मिले तो सपा प्रत्याशी को मात्र 13,447 वोट मिले। बसपा के यामीन को भी 15,858 वोट मिले। यहां भी मुस्लिमों ने अपना रुख साफ किया। मथुरा में बसपा और कांग्रेस को लगभग 35-35 हजार वोट मिले। चौथे नंबर पर रहे सपा को लगभग 12 हजार वोट मिले।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विशेष अदालतों से सुलझाएं मामले

सुप्रीम कोर्ट ने गंगा, यमुना नदियों की सफाई से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से इनकार का दिया। उसने याचितर्ताओं हरित ट्रिब्यूनल जाने को कहा है। ये आदेश उचित भी है। अदालतों में ऐसे करोड़ों मामले पेंडिंग पड़े है ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि ऐसे मामले जो अलग प्रकार है वों विशेष अदालतों से ही निपटाए जाने चाहिए। ठीक भी है पर्यावरण से संबंधी मामले राष्ट्रीय हरित अभिकरण में सुने जाने चाहिए। इसके निर्णय देने बाद ही असहमति होने पर मामले को सुप्रीम कोर्ट भेजना चाहिए। इन बातों का अगर विशेष अदालत से ही फैसला हो जाए तो लाखों रुपय की बचत हो तथा उनक प्रयोग विकास कार्यो में किया जाए। पर्यावरण संबधी फैसलों को हरित ट्रिब्यूनल जल्द निपटाता रहे तो वह देश के लिए लाभकारी भी होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने गंगा और यमुना नदियों को साफ करने व उनके कायाकल्प की कार्य योजना की निगरानी करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को मना कर दिया। उसने कहा कि इसके लिए एक विशेष न्यायाधिकरण है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने याचिकाकर्ता को अपनी शिकायतों के साथ राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) से संपर्क करने के लिए कहा। पीठ ने कहा कि आप एनजीटी में क्यों नहीं जाते? इसके लिए एक विशेष न्यायाधिकरण है। हम इस पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। बता दें, शीर्ष अदालत स्वामी गुरचरण मिश्रा द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें नदियों को साफ करने और उनके कायाकल्प के लिए कार्य योजना की निगरानी करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। विशेष न्यायालय कई मामले सुनता। इनकी स्थापना केसों को जल्द निपटाने के लिए किए गए हैं। इसमें भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं और सरकारी मुलाजिमों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए विशेष अदालतें गठित करने का प्रावधान है। इसमें काली कमाई से जुटाई संपत्ति राजसात करने और सजा का भी प्रावधान है। इसके दायरे में पंच, पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री और भृत्य से लेकर मुख्य सचिव तक सभी लोकसेवक आएंगे। विशेष अदालतों के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी। लोक सेवकों के विरूद्ध भ्रष्ट आचरण के मामलों में पहले से कानून उपलब्ध हैं। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय दंड संहिता के तहत कार्यवाही की जाती है। यह अनुभव किया गया है कि इन कानूनों के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण में काफी समय लग जाता है।

“ अदालतों में ऐसे करोड़ों मामले पेंडिंग पडें। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि ऐसे मामले जो अलग प्रकार है वों विशेष अदालतों से ही निपटाए जाने चाहिए। ठीक भी पर्यावरण से संबंधी मामले राष्ट्रीय हरित अभिकरण में सुने जाने चाहिए। इसके निर्णय देने बाद ही असहमति होने पर मामले को सुप्रीम कोर्ट भेजना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दुविधा त्यागने से ही मिलेगा सफलता का साथ

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज हमारी सबसे बड़ी समस्या यह हो गई है कि हम संकल्प और विकल्प में झूलते रहते हैं और कर्म में जुटने की हमारी शक्ति क्षीण होती जाती है। इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा और बुरा परिणाम यह हुआ है कि हम अपने कार्यों में प्राय: असफल हो रहे हैं। इसी कारण निराशा और अवसाद हमें जकड़ लेते हैं। किसी भी काम के लिए जाते हुए, हम जाने क्यों, संकल्प और विकल्प में फंस जाते हैं। आईएएस का फार्म भरूं तो पास भी हो पाऊंगा या नहीं? नौकरी के लिए अप्लाई तो करूं, पर इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा या नहीं? मित्र से मिलने जाने की सोचें, तो फिर वही कि जाने वो मिलेगा भी या नहीं? सच कहूं, तो यह दुविधा हमारी सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है और हम इसके ऐसे 'आदी' हो गए हैं कि दुविधा में पड़े रहकर जीवन की कर्मभूमि से भागकर, असफलताओं को अपना बना लेते हैं।

आखिर ऐसा क्यों होता है? उत्तर बहुत छोटा-सा है कि हम आलस्य के वशीभूत 'कर्म से भागने के आदी' हो जाते हैं और अवसरों का लाभ नहीं ले पाते। इधर एक प्रेरक बोध कथा पढ़ने को मिली, जिसने मुझे नई रोशनी दी है। आज वह बोध कथा आप सब में साझा करना चाहता हूं, एक राजा को उपहार में किसी दूसरे राज्य के राजा ने बाज के दो बड़े ही सुंदर बच्चे भेंट किए, जो बड़ी ही अच्छी नस्ल के थे। उस राजा ने कभी इतने शानदार बाज नहीं देखे थे। राजा ने उन दोनों बाजों की देखभाल के लिए एक बड़े अनुभवी आदमी को नियुक्त कर दिया। जब कुछ महीने बीत गए, तो उत्सुकतावश राजा ने बाजों को देखने का मन बनाया। राजा वहां पहुंचा, जहां बाजों को पाला जा रहा था। राजा ने देखा कि दोनों बाज काफी बड़े हो चुके थे और पहले से भी शानदार लग रहे थे। राजा ने बाजों की देखभाल कर रहे आदमी से कहा, 'मैं इन दोनों की उड़ान देखना चाहता हूं। तुम इन्हें उड़ने का इशारा करो।' उस आदमी ने ऐसा ही किया। इशारा मिलते ही दोनों बाज उड़ान भरने लगे। राजा ने देखा कि जहां एक बाज खुले आसमान की ऊंचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरा बाज कुछ ऊपर जा कर लौट आया और वापस आकर उसी डाल पर बैठ गया, जिस डाल से वो उड़ा था।

यह देखकर राजा को बड़ा अजीब लगा और राजा ने उन दोनों को पालने वाले से पूछा, 'क्या बात है, जहां एक बाज इतनी अच्छी उड़ान भर रहा है, वहीं ये दूसरा बाज उड़ना ही नहीं चाहता?' उन दोनों को पालने वाला बोला, 'हुजूर! इस बाज के साथ शुरू से यही समस्या है, वो इस पेड़ की डाल को छोड़ता ही नहीं।' राजा को दोनों ही बाज प्रिय थे और वे अपने दूसरे बाज को भी उसी तरह उड़ते देखना चाहते थे। अगले ही दिन पूरे राज्य में ऐलान करा दिया गया कि जो भी व्यक्ति दूसरे बाज को ऊंचा उड़ाने में कामयाब होगा, उसे राजा द्वारा खूब इनाम दिया जाएगा। एक से एक शिकारी बाज को उड़ाने का प्रयास करने लगे। हफ्तों बीत जाने के बाद भी उस बाज का वही हाल था। वो थोड़ा-सा उड़ता और वापस आकर उसी पेड़ की डाल पर बैठ जाता था, जहां बाकी समय बैठा करता था। फिर एक दिन कुछ अनोखा नजारा राजा ने देखा कि उसके दोनों ही बाज आसमान में खूब ऊंचे उड़ रहे हैं। राजा ने तुरंत उस व्यक्ति का पता लगाने को कहा, जिसने ये कारनामा कर दिखाया था। पता चला कि वह व्यक्ति तो एक साधारण-सा किसान है। अगले दिन उस किसान को दरबार में बुला कर, इनाम की स्वर्ण मुद्राएं भेंट करने के

किसी भी काम के लिए जाते हुए, हम जाने क्यों, संकल्प और विकल्प में फंस जाते हैं। आईएएस का फार्म भरूं तो पास भी हो पाऊंगा या नहीं? नौकरी के लिए अप्लाई तो करूं, पर इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा या नहीं? मित्र से मिलने जाने की सोचें, तो फिर वही कि जाने वो मिलेगा भी या नहीं?

बाद, राजा ने कहा, 'मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूं। बस तुम इतना बताओ कि जो काम बड़े-बड़े शिकारी नहीं कर पाए, वो तुमने कैसे कर दिखाया? इस बाज को तुमने कैसे उड़ना सिखाया है?' विनम्रतापूर्वक किसान बोला, 'राजन, मैं तो एक साधारण-सा किसान हूं। मैं ज्ञान की ज्यादा बातें तो नहीं जानता। मैंने तो बस उस पेड़ की वह डाल ही काट दी थी, जिस पर बैठने का यह दूसरा बाज आदी हो चुका था। जब वो डाल ही नहीं रही, तो दूसरा बाज भी अपने साथी बाज के साथ ऊपर उड़ने लगा।' जीवन का सच भी यही है कि हम सबको भी ऊपर उठने के लिए तमाम तरह के 'अवगुणों की डाल' काटना अनिवार्य है। अपनी कमियों और कमजोरियों को ठीक किए बगैर जीवन में ऊंचाई पाने की कल्पना भी बेमानी ही होती है। किसी ने खूब कहा है।

न्यायसंगत प्रतिनिधित्व से ही महिला सशक्तीकरण

सुरेश सेठ

पिछले कुछ वर्षों से महिला सशक्तीकरण और समान अधिकारों की खूब चर्चा हो रही है। इससे लगता है भारत में महिला पक्ष भी उतनी ही सफलता के साथ सामने आया है, जितना कि पुरुष वर्ग। पर क्या वास्तव में महिलाओं ने समाज में पुरुष वर्चस्व को चुनौती दे दी है? प्रतीत यही होता है अगर उनकी निरंतर सुधरती छवि को आधार बनाया जाये। न केवल शैक्षिक परिणामों में बल्कि नौकरी के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में भी महिलाएं अग्रणी हैं। सेना में उन्हें तरक्की के पूरे अधिकार देने का फैसला हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने किया है। यह आदेश भी हो गया कि सेना की अग्रिम युद्ध पंक्ति में लड़ने के लिए महिलाएं भी शामिल होंगी। वे महिलाएं हैं, केवल इसलिए उन्हें पीछे न रखा जाए। यूं भी भारत में नारी सशक्तीकरण व भागीदारी बढ़ाने को लेकर कई कदम उठाये जा रहे हैं।

इसी दिशा में सरकार का नया फैसला है कि इस बार गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर परेड करते हुए प्रमुख तौर पर महिलाएं ही नजर आएंगी। रक्षा मंत्रालय ने एक ज्ञापन जारी किया है जिसमें सेना, नौसेना, वायुसेना और गृह मंत्रालय, आवास मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की एक बैठक में किये गये फैसले का जिक्र है जिसके मुताबिक 2024 के गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में शामिल मार्चिंग और बैंड टुकड़ियों, झांकियों और अन्य प्रदर्शनों में केवल महिला प्रतिभागी होंगी। इस फैसले से सशस्त्र बलों और सरकारी विभागों को अवगत करवा दिया गया है। इस साल भी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विरासत का जो प्रदर्शन हुआ था, उसमें नारी शक्ति की खास तौर पर भागीदारी थी। बता दें कि पहली बार 2015 में तीनों सेनाओं में से एक-एक महिला टुकड़ी परेड में हिस्सा लेने आई थी। साल 2019 में कैप्टन सुरभि सेना की मोटरसाइकिल पर करतब दिखाने वाली पहली महिला अधिकारी थीं वहीं 2020 में कैप्टन तानिया शेरगिल पुरुष दल का नेतृत्व करने वाली महिला अधिकारी बनी थी। इस परेड को प्रत्यक्ष और टेलीविजन पर देखकर हजारों-लाखों लोग गर्वित होते हैं। अब जब महिलाओं को सुरक्षा बलों की टुकड़ियों और झांकियों की जिम्मेदारी दी जा रही है तो यह निश्चय ही बदलते भारत का प्रतीक है।

फिलहाल रक्षा मंत्रालय ने 2024 की परेड की योजना पर तीनों सेनाओं, मंत्रालयों और विभागों को एक ज्ञापन भेजा है कि इस परेड में सिर्फ महिलाएं ही जागरूक भारत का प्रतिनिधित्व करें। इसकी शुरुआत तो गत फरवरी में रक्षा सचिव द्वारा आयोजित एक बैठक में हुई थी जहां यह सुझाव लगभग स्वीकार कर लिया गया था। अब स्पष्ट है कि इसे कार्यरूप दिया जाएगा। निश्चय ही यह इस देश की महिलाओं के लिए गर्व की बात है कि भारत की प्रगति में नयी पीढ़ी की महिलाओं के योगदान का प्रदर्शन महिला टुकड़ियां ही करेंगी।

गौरतलब है कि महिलाओं की इस बेहतर होती छवि का प्रचार करने में सत्ता, प्रशासन या मीडिया आजकल किसी भी तरह पीछे नहीं रहते। लेकिन क्या वास्तव में भारत की नारी को वही स्थान मिल गया है जिसका प्रदर्शन आगामी गणतंत्र दिवस परेड में किया जाएगा। बेशक आंकड़े बताते हैं कि कामकाजी वर्ग में औरतों की संख्या बढ़ी है, उन्हें अब केवल घर की रानी कहकर बहलाया नहीं जा सकता। लेकिन कुछ सवाल बाकी हैं जिनका समाधान होना चाहिए। पहला तो यह कि सर्वेक्षणों के मुताबिक, कोविड महामारी के करीब दो वर्ष के विकट आर्थिक समय में जिन कामकाजी महिलाओं का विस्थापन हुआ, वे दोबारा नौकरी प्राप्त करने में बुरी तरह पिछड़ गयी। जिन पुरुषों ने नौकरी गंवाई थी, उनमें से कुछ को तो रोजगार मिल गया लेकिन महिलाओं के मामले में वह उत्साह नजर नहीं आया। इसके अलावा महिलाओं को मिलने वाले वेतन की तुलना करने पर स्पष्ट होता है कि देश में पुरुषों को छोटे-बड़े दायित्व निभाने के लिए जो वेतन मिलता है, महिलाओं को उससे कम मिलता है, ऐसा क्यों? वहीं निजी बड़े कार्पोरेशनों में भी महिलाओं को सर्वोच्च दायित्व देने से अभी भी संकोच किया जाता है। राजनीति में भी नि:संदेह निगम स्तर पर महिलाओं के लिए आधे पद आरक्षित कर दिए गए हैं लेकिन यही फार्मूला विधानसभा और संसद के लिए नहीं लगाया जाता। जब पार्टियां चुनाव में अपने उम्मीदवारों की घोषणा करती हैं तो उनमें महिलाओं की संख्या नगण्य होती है। अगले वर्ष लोकसभा के लिए आम चुनाव होने जा रहे हैं लेकिन क्या महिला शक्ति की भूमिका बढ़ेगी? अभी तक तो राज्य स्तर के मंत्रिमंडलों से लेकर केन्द्र तक महिलाओं की संख्या नगण्य है। वैसे भी विधानसभाओं व संसद में बड़ी संख्या में सदस्यों की आपराधिक छवि की समस्या है।

भारतीय समाज में पुरुष वर्चस्व के चलते महिलाओं को उनकी योग्यता के बावजूद वाजिब दर्जा व गरिमामय स्थान देने के लिए मानसिकता नहीं बन पायी। दरअसल उसकी बेहतर होती छवि का प्रचार के लिए इस्तेमाल ही न किया जाये बल्कि नारी के सहज गुणों सहनशक्ति और परिश्रम का भी इस्तेमाल देश के नवनिर्माण के लिए किया जाए। मानव तस्करी के मामले में ही लें, कई राज्यों में औरतों की गुमशुदगी के केस तेजी से बढ़े हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि केवल गुजरात में 5 साल के भीतर 40 हजार महिलाएं गायब हो गईं।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर...

हनुमान जी की पूजा करने के लिए मंगलवार का दिन सबसे शुभ होता है। इस दिन पूजा करने से हनुमान जी सभी कष्टों से मुक्ति दिलाकर आपकी हर मनोकामना पूरी करते हैं। लेकिन ज्येष्ठ माह के मंगलवार का विशेष महत्व है। हिंदू धर्म में बड़ा मंगल का विशेषमहत्व बताया गया है। ज्येष्ठ माह में आने वाले हर मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल कहा जाता है। यह दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन बजरंगबली के वृद्ध स्वरुप की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से हर संकट से छुटकारा पाया जा सकता है।

बड़ा मंगल की कथा

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, महाभारत काल में जब भीम को अपने बल पर घमंड हो गया था तो हनुमान जी ने मंगलवार के दिन बूढ़े वानर का रूप धारण करके भीम के घमंड को तोड़ा था। वहीं, एक और कथा के अनुसार, जब भगवान श्री राम वन में विचरण कर रहे थे तो उनका हनुमान जी से मिलन इसी दिन हुआ था।

बड़ा मंगल की पूजा विधि

संकट मोचन हनुमान की पूजा मंगलवार के दिन की जाती है। ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। इस दिन लोग भंडारा करते हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण लोग प्याऊ लगवाते हैं। जगह-जगह चौराहे पर पंडाल लगाकर लोग पानी पिलाते हैं, भंडारा करते हैं। बड़े मंगल को बुढ़वा मंगल के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन संकट मोचन हनुमान जी ने भीम का घमंड तोड़ा था, क्योंकि भीम को अपने बल का घमंड हो गया था। दूसरी मान्यता के अनुसार इसी दिन हनुमान जी ने विप्र रूप में वन में विचरण करते हुए प्रभु श्रीराम से भेंट की थी।

इस उपाय से कष्ट होते हैं दूर

बड़े मंगलवार के दिन 21 पीपल के पत्तों को साफ करके चंदन से श्रीराम लिखें और 108 तुलसी के पत्तों को लाल धागे या कपड़े से बांधकर हनुमानजी के चरणों में अर्पित कर दें। इसके बाद हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करें। ऐसा करने से सभी दुख व कष्ट दूर हो जाते हैं और सभी समस्याओं से धीरे धीरे मुक्ति भी मिल जाती है। नौकरी व व्यापार में उन्नति के लिए बड़े मंगल का व्रत रखकर हनुमानजी को मीठा पान, केवड़े का इत्र, गुलाब माला अर्पित करें। इसके साथ 108 बार हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करें। ऐसा करने से करियर में तरक्की के योग बनते हैं और व्यापार में अच्छी उन्नति होती है। साथ ही आर्थिक समस्याओं से भी मुक्ति मिलती है।

बड़े मंगल का महत्व

ज्येष्ठ माह के मंगलवार को मंदिरों और कई स्थानों पर भंडारे लगाए जाते हैं। मान्यता है कि बड़े मंगलवार का व्रत करने और हनुमानजी का व्रत रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है। धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि ज्येष्ठ माह के मंगलवार के दिन ही हनुमानजी पहली बार भगवान श्रीराम से मिले थे। इसलिए ज्येष्ठ माह के मंगलवार का बहुत महत्व है इसलिए ज्येष्ठ माह के मंगलवार को बड़े मंगल के तौर मनाया जाता है। ज्येष्ठ माह के मंगलवार के दिन बड़ा मंगल का व्रत रखना चाहिए और सुबह शाम हनुमानजी की पूजा के साथ सुंदरकांड और बजरंग बाण का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और हनुमानजी की कृपा से हर मनोकामना पूरी होती है।

पूजा का लाभ

मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा का विशेष लाभ प्राप्त होता है। संकट मोचन हनुमान का पूजन करने से सारे संकट दूर हो जाते हैं। बड़े मंगल को व्रत रखकर हनुमान जी की पूजा अर्चना करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। बजरंग बाण का भी पाठ करना लाभकारी होता है। मंगलवार के दिन स्नान करके हनुमान जी को रोली चंदन का तिलक लगाएं। हनुमान जी को लाल वस्त्र से अत्यधिक प्रेम है। इसलिए लाल वस्त्र का दान करने पर विशेष फल प्राप्त होता है।

हंसना मना है

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

बंता- तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकते हो? संता- मैं 6 केले खा सकता हूं। बंता ने हंसते हुए- गलत जवाब दोस्त, पहला केला खा लेने के बाद तुम्हारा पेट खाली कहां रहेगा! इसलिए खाली पेट होने पर तुम केवल एक ही केला खा सकते हो। संता घर पहुंचा और जाते ही बीवी से सवाल किया, तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकती हो? बीवी- मैं 4 केले खा सकती हूँ। संता- अगर 6 कहती तो एक मस्त का जोक्स सुनाता तुझे।

ऑफ रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है, ऑनलाइन होते ही, धर्म, समाज, राजनीती, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए होने लगती है, आम भारतीय नागरिक।

कहानी — खटमल और जूं

एकस समय दक्षिण भारत में एक राजा राज किया करता था। राजा के बिस्तर में मंदरीसर्पिणी नाम की एक जूं रहा करती थी, हर रात जब राजा गहरी नींद में सो जाता,तो जूं अपने घर से बाहर निकलती, बड़े चाव से पेट भरकर राजा का खून चूसती और दोबारा जाकर छिप जाती। एक दिन राजा के बिस्तर में अग्निमुख नामक एक खटमल भी घुस आया। जब जूं ने उसे देखा, तो उसे बहुत गुस्सा आया। जूं उसके पास गई और उससे तुरंत वापस चले जाने को कहा। इस पर खटमल बोला, अरे जूं बहना, इस तरह का व्यवहार तो कोई अपने दुश्मन के साथ भी नहीं करता। मैं बहुत दूर से आया हूं और सिर्फ एक रात तुम्हारे घर रुक कर आराम करना चाहता हूं। खटमल की बातें सुनकर जूं का दिल पिघल गया। उसने कहा, ठीक है, तुम यहां रुक सकते हो, लेकिन तुम्हारे कारण राजा को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। जूं बहन, मैं बहुत दूर से आया हूं और बहुत भूखा हूं। वैसे भी, हर रोज कहां राजा का मीठा खून पीने का मौका मिलता है। आज राजा के खून का स्वाद चखने का मौका दे दो, जूं ने उसे राजा का खून चूसने की इजाजत दे दी। ठीक है, लेकिन उससे पहले तुम्हें राजा के गहरी नींद में सो जाने का इंतजार करना होगा। इस पर खटमल ने हां कर दिया और दोनों रात होने का इंतजार करने लगे। राजा का शरीर बहुत तंदुरुस्त था। यह देख कर खटमल के मुंह में पानी आ गया। जैसे ही राजा बिस्तर पर आकर लेटा, खटमल ने न आव देखा न ताव और सीधे जाकर राजा की मोटी तोंद पर जोर से काट लिया और फिर दौड़ कर पलंग के नीचे छिप गया। राजा दर्द के मारे चीख उठा और तुरंत अपने सिपाहियों को कमरे में बुला लिया। राजा ने सिपाहियों को आदेश दिया, सिपाहियों, इस बिस्तर में जरूर कोई खटमल या जूं है। उसे तुरंत ढूंढो और मार डालो। राजा के सिपाहियों ने बिस्तर पर ढूंढना शुरू किया, तो उन्हें बिस्तर में छिपी जूं मिल गई। उन्होंने तुरंत उस जूं को मार डाला और खटमल बच निकला। इस प्रकार खटमल की गलती के कारण बेचारी जूं मारी गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कुसंगति से बचें।

वृषभ

शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है।

सिंह

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक

राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

भोजपुरी | मसाला

अब राउडी राठौड़ जैसी फिल्में नहीं करेंगी सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा साल 2012 में फिल्म राउडी राठौड़ में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अक्षय कुमार के साथ काम किया था। अब इस फिल्म के एक सीन को लेकर सोनाक्षी सिन्हा ने खुलकर बात की है, जिसमें अक्षय कुमार का कैरेक्टर उनकी कमर पर हाथ रखता है और कहता है- ये मेरा माल है। इस सीन को लेकर सोनाक्षी का कहना है कि बहुत छोटी थी और उन्हें ये बात उस समय बिल्कुल भी समझ नहीं आई।

सोनाक्षी सिन्हा ने, मैं अब ऐसी फिल्म बिल्कुल भी नहीं करूंगी। मैं बहुत छोटी थी। मैं ऐसा कुछ सोच ही नहीं पाई। मेरे लिए सिर्फ यही फैक्ट था कि मैं प्रभु देवा के साथ फिल्म कर रही हूं। मैं अक्षय कुमार के साथ फिल्म कर रही हूं। ऐसे में कौन मना करेगा। संजय लीला भंसाली फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे थे। मैं कैसे मना कर देती। उस समय मेरी सोच बिल्कुल अलग थी। अगर आज मुझे ऐसी फिल्म ऑफर होगी, तो मैं मना कर दूंगी। समय के साथ चीजें बदल जाती हैं। मैं भी बदल गई हूं। लोग हमेशा महिला को ही दोष देते हैं सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, लोग हमेशा मुझे दोष देते थे और ऐसी स्थिति में हमेशा एक महिला को विलेन बनाया जाता है। कोई भी उस राइटर के बारे में कुछ भी नहीं बोलता, जिसने ये लाइन्स लिखी हैं। किसी ने उस व्यक्ति के बारे में नहीं बोला, जिसने फिल्म का डायरेक्शन किया था। मालूम हो कि राउडी राठौर फिल्म एसएस राजामौली की Vikramarkudu की हिंदी रीमेक थी।

वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा की वेब सीरीज दहाड़ हाल ही में डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई है। इस सीरीज को रीमा कागती और जोया अख्तर ने क्रिएट किया है। सीरीज दहाड़ में सोनाक्षी सिन्हा ने एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाई है। वहीं, इसमें विजय वर्मा, गुलशन देवैया, सोहम शाह जैसे सितारों ने भी काम किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे एक्टर बनने की ख्वाहिश की वजह मेरी मां के घटी एक घटना थी : गोविंदा

गोविंदा भले ही फिल्मी दुनिया से दूरी बनाए हुए हैं लेकिन फैंस के दिलों पर आज भी उनका जादू बरकरार है। अपने अद्भुत फिल्मी करियर में गोविंदा ने कई उपलब्धियां हासिल कीं और कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए। गोविंदा ने हिंदी सिनेमा में 165 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। गोविंदा ने जिस फिल्म इंडस्ट्री में अपना लोहा किस मशक्कत से मनवाया इसका अंदाजा शायद ही किसी को होगा। बहुत से लोग अभी भी उस घटना से अनजान हैं जिसने गोविंदा को भारतीय सिनेमा का जाना माना नाम बना दिया। अपने एक पुराने इंटरव्यू में गोविंदा ने बताया था कि आखिर वो एक एक्टर ही क्यों बनना चाहते थे। गोविंदा ने अपनी इस ख्वाहिश की वजह अपनी मां को बताया था। उन्होंने अपने साथ घटी एक घटना का जिक्र करते हुए अपनी एक बार की रेलयात्रा का किस्सा शेयर किया। गोविंदा ने बताया कि एक बार वह अपनी मां के साथ खार रेलवे स्टेशन गए लेकिन बहुत भीड़ थी जिसकी वजह से उनकी मां महिलाओं के डिब्बे में भी नहीं जा सकीं। इसके बाद गोविंदा और उनकी मां प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर थोड़ी कम भीड़ वाली ट्रेन का इंतजार करने लगे। उनके सामने से पांच ट्रेनें गुजरीं। उनकी मां बूढ़ी थीं इसलिए वे धक्का-मुक्की करके भीड़ को चीरते हुए ट्रेन के अंदर नहीं जा सकती थीं। अपनी बुजुर्ग मां को ट्रेन में नहीं चढ़ पाना गोविंदा के लिए बहुत दर्दनाक पल था। आखिर में मजबूर होकर गोविंदा अपनी नम आंखों के साथ अपने चाचा के पास गए। उन्होंने उनसे अपनी मां के लिए प्रथम श्रेणी का पास खरीदने के लिए कुछ रुपये मांगे। जैसे ही गोविंदा को अपने चाचा से पैसे मिले, वह सीधे अपनी मां के पास दौड़े और उन्हें प्रथम श्रेणी के डिब्बे में ले गए। यह वो घटना थी जिसने गोविंदा को कुछ बड़ा कर दिखाने का फैसला लेने के लिए इंस्पायर किया, इसके बाद उन्होंने अपने इस फैसले पर पूरा उतरने के लिए जी तोड़ मेहनत की और आखिरकार उन्हें उनकी मंजिल मिल ही गई। इस बात से यह भी साफ होता है कि गोविंदा अपनी मां से किस हद तक प्यार करते थे।

दर्शकों ने मेरे लिए बड़े सपने देखे: अदा शर्मा

फिल्म द केरल स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर गदर काट रही है। इस फिल्म में अदा शर्मा ने लीड रोल निभाया है। फिल्म को दर्शकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। पांच मई को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज दस दिनों में सवा सौ करोड़ से अधिक का कलेक्शन कर लिया है और इसकी धुआंधाड़ कमाई जारी है। द केरल स्टोरी को मिल रहे बेशुमार प्यार पर हाल ही में अदा शर्मा ने प्रतिक्रिया दी है। अदा शर्मा की खुशी का ठिकाना नहीं है। उनका कहना है कि दर्शकों ने हमेशा उनके लिए बड़े सपने देखे। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में अदा शर्मा से दर्शकों से मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मैं कोई भी फिल्म करती हूं तो यही सोचती हूं कि यह मेरी आखिरी फिल्म होगी। क्योंकि मैं नहीं जानती कि मुझे दोबारा मौका मिलेगा भी या नहीं और कोई मुझ पर यकीन करेगा या नहीं।

अदा ने आगे कहा, मुझे लगता है कि दर्शकों ने हमेशा मेरे लिए बड़े सपने देखे हैं। वे सभी सपने अब सच हो चुके हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या उन्हें फिल्म को मिली इस प्रतिक्रिया की उम्मीद थी? इस पर उन्होंने कहा, मैं फिल्म को मिल रहे रेस्पॉन्स पर यकीन नहीं कर पा रही हूं, क्योंकि मुझे इस तरह की उम्मीद ही नहीं थी। मैं दर्शकों की बेहद शुक्रगुजार हूं। अदा ने आगे कहा, मेरे सपने हमेशा छोटे थे, जैसे हाथी और कुत्तों के साथ खेलना। मैंने हमेशा अच्छे रोल करने के सपने देखे। लेकिन, यह कभी नहीं जाना कि इनमें से कितने मिलेंगे।

नेपोटिज्म पर बात करते हुए अदा ने कहा, मुझे लगता है कि मैं काफी भाग्यशाली हूं। मैंने कभी इस तरह के सपने नहीं देखे। मुझे लगा जो लड़की इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखती, उसके लिए यह मुमकिन ही नहीं है।

यहां भरी दुपहरी में बाहर निकलने से डरते हैं लोग!

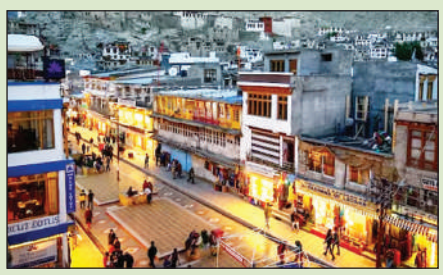

कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जहां इंसान जाकर सुकून महसूस करना चाहता है। वहीं कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जहां लोग रह तो सुकून में सकते हैं, लेकिन किसी एक वजह से उनके साथ उनका सुकून खो जाता है। एक ऐसा ही गांव है यूनाइटेड किंगडम में, जहां लोग दोपहर से ही घरों में कैद हो जाते हैं।

इस गांव में लोग दोपहर होते ही अपने घरों में कैद हो जाते हैं। ऐसा नहीं है कि ये कोई हॉन्टेड जगह है, बल्कि यहां लोग एक खास वजह से दोपहर से ही सड़कों पर निकलने से डरते हैं। यूनाइटेड किंगडम के पॉन्टीप्रिड नाम के गांव में भरी दुपहरी में भी घर से बाहर निकलने का मतलब होता है किसी अनहोनी से दो-चार होना। पॉन्टीप्रिड नाम के गांव में बहुत से लोगों की लत ये है कि वो दिन में ही नशा कर लेते हैं और सड़कों पर टहलते रहते हैं। ये युवा लोग होते हैं। ऐसे में ज्यादातर नागरिक बाहर निकलने से बचते हैं। दरअसल उन्हें चिल्लाते-चीखते हुए देखा जा सकता है, जबकि कई बार तो ये हिंसा भी करने लगते हैं। पिछले 3 महीने में यहां पर गंदे व्यवहार की वजह से 40 लोगों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। ऐसे में लोग यहां बाहर निकलने से ही बचने लगे हैं। 44 साल के एक नागरिक ने बताया जब वे लोग पूरे-पूरे दिन नशे में सड़कों पर मौजूद रहते हैं। उन्हें शराब के कैन और बोतलों के साथ घूमते हुए देखा जा सकता है। वैसे तो ये जगह रहने के लिए अच्छी है, लेकिन नशे की वजह से लोग यहां इनवेस्ट नहीं करना चाहते। यहां दुकानें लगाना भी लोगों के लिए मुश्किल होता है क्योंकि नशेड़ियों का ग्रुप वहां भी वहां पहुंच जाता है।

अजब-गजब | ना मोटापा ना कोई और बीमारी

2006 से शख्स ने नहीं खाया अनाज 17 साल से सिर्फ कोल्डड्रिंक पीकर है जिंदा

आपने कोल्डड्रिंक्स के बारे में कई नेगेटिव बातें सुनी होगी। ये ड्रिंक्स लोगों को कोई फायदा नहीं पहुंचाते। सिर्फ इनकी वजह से बीमारियां होती है। मोटापा और शुगर स्पाइक करने में ये कोल्डड्रिंक्स अहम रोल प्ले करते हैं। इस वजह से काफी कम मात्रा में इनके सेवन की सलाह दी जाती है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि ईरान में रहने वाले एक शख्स ने पिछले सत्रह साल से सिर्फ कोल्ड ड्रिंक ही पी है तो.. जी हां, इस शख्स ने ऐसा ही कुछ दावा कर सनसनी मचा दी है।

ईरान के रहने वाले घोलमरेजा अर्देशिरी का ऐसा ही कुछ कहना है। उसने बताया कि पिछले सत्रह साल से उसने अपने मुंह में अनाज का एक दाना नहीं डाला है। वो अपना पूरा दिन सिर्फ पेप्सी या सेवनअप पीकर गुजार देता है। इसकी वजह से ही वो जिंदा है और सिर्फ जिंदा नहीं, स्वस्थ्य भी है। उसने आखिरी बार 2006 में खाना खाया था। लेकिन उसे खाने में कुछ खास दिलचस्पी नहीं थी। इस वजह से उसने कोल्ड्रिंक्स पर स्विच कर लिया।

पचा पाता है सिर्फ कोल्डड्रिंक

घोलमरेजा ने लोगों के साथ अपनी अजीबोगरीब स्थिति को शेयर किया। उसने बताया कि उसका पेट सिर्फ कोल्डड्रिंक्स ही पचा पाता है। अगर वो कुछ और खाने की कोशिश करता है तो उसे उलटी हो जाती है। लेकिन जब इन ड्रिंक्स को पीता है, तो उसे कोई परेशानी नहीं होती। पेशे से फाइबरग्लास रिपेयर करने वाले घोलमरेजा ने कहा कि उसने अपना आखिरी मील 2006 में खाया था, जिसके बाद से लेकर अब तक उसके पेट में सिर्फ कोल्डड्रिंक्स ही गई है।

नहीं पता चल पाई वजह

घोलमरेजा के मुताबिक, जैसे ही वी अनाज का एक भी निवाला खाता है, उसे उलटी होने लगती है। उसे ऐसा लगता है जैसे उसके मुंह में बाल चला गया है। इसके बाद जो भी खाना उसने निगला होता है, सब बाहर आ जाता है। इस वजह से उसने डॉक्टर्स के कई चक्कर भी लगाए। डॉक्टरों का कहना है कि ये सब घोलमरे?ा के दिमाग का खेल है। जब भी वो खाना खाता है, मुंह में बाल जाने का ख्याल उसे खाने को पचाने नहीं देता। घोलमरे?ा के मुताबि?, कोल्डड्रिंक के साथ उसे ऐसी कोई समस्या नहीं होती। इस वजह वो बीते सत्रह साल से कोल्डड्रिंक पीकर ही जिन्दा है।

सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए शरारती प्रयास कर रही भाजपा

जयराम रमेश कहा- ये चुनाव हारते हैं तो..ऐसे ही बयान देते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दावा किया कि जब बीजेपी चुनाव हारती है तो वह ''लज्जित'' हो जाती है। कांग्रेस ने प्रतिद्वंद्वी पार्टी पर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए ''शरारती प्रयास'' करने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस की इस टिप्पणी के पहले बीजेपी ने कर्नाटक वक्फ बोर्ड के प्रमुख शफी सादी की टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस को राज्य में एक मुस्लिम उपमुख्यमंत्री नियुक्त करना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, ''जब बीजेपी जीतती है तो वह 'निर्लज्ज' हो जाती है। जब वो हारती है तो 'लज्जित' हो जाती है।

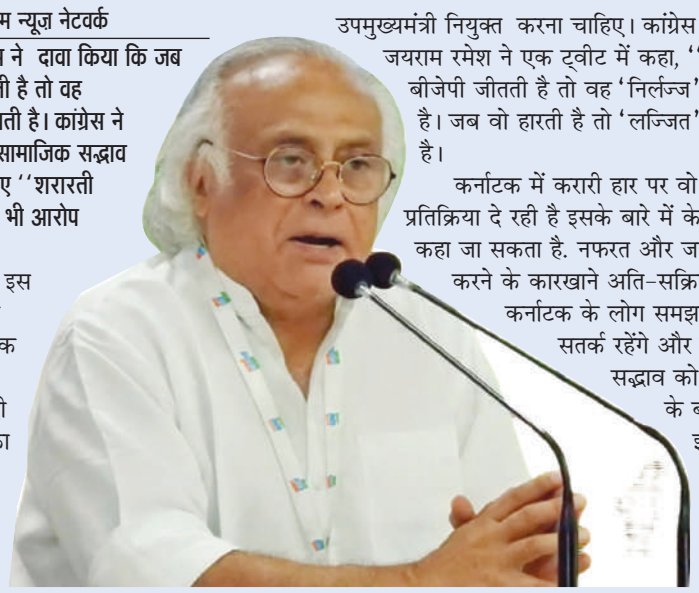

कर्नाटक में करारी हार पर वो कैसे प्रतिक्रिया दे रही है इसके बारे में केवल यही कहा जा सकता है. नफरत और जहर पैदा करने के कारखाने अति-सक्रिय हैं। कर्नाटक के लोग समझदार हैं, वे सतर्क रहेंगे और सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने के बीजेपी के इन शरारतपूर्ण प्रयासों को नाकाम करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की हार है

इससे पहले, मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष गोविंद ने कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत को राहुल गांधी की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार बताया था. उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) को ''अफवाह फैलाने वाला संगठन'' भी करार दिया था। कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान जय बजरंगबली के नारे का जिक्र करते हुए मध्यप्रदेश के भिंड जिले की लहार विधानसभा सीट से कांग्रेस के सात बार के विधायक सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला। देश के लोगों को समझ आ गया है। प्रधानमंत्री के सम्मानित पद पर आसीन होने के बावजूद मोदी चुनाव प्रचार के दौरान जय हनुमान का उद्घोष करते रहे. उन्हें शर्म आनी चाहिए।

सोलंकी, बाबा और वसी की संपत्ति होगी सीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी निकाय चुनाव के नतीजे आने के बाद अब एक बार फिर से प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। चुनाव समाप्ति के बाद अब समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी, कानपुर हिंसा के आरोपी मुख्तार बाबा और हाजी वसी पर अब पुलिस प्रशासन शिकंजा कसने की तैयारी में जुट गया है,जल्द ही इनकी संपत्ति को सीज करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। पिछले कई महीनों से इन तीनों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई की जा रही है।

सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी दोनों एक महिला का प्लॉट कब्जाने के लिए उसके घर में आग लगाने के मामले में जेल में बंद हैं। सपा विधायक के खिलाफ 8 नवंबर 2022 के बाद से अब तक 8 केस दर्ज हो चुके हैं, जबकि पुलिस अब तक 7 मामलों में चार्जशीट लगा चुकी है. यहीं नहीं उन पर गैंगस्टर वाले मामले में भी कार्रवाई चल रही है और अब जल्द ही उनकी संपत्ति को सीज किए जाने की तैयारी की जा रही है। सपा विधायक इरफान सोलंकी के अलावा कानपुर नई सड़क हिंसा मामले में आरोपी बाबा बिरयानी के मालिक मुख्तार बाबा और बिल्डर हाजी वसी पर भी गैंगस्टर का मुकदमा चल रहा है. मुख्तार बाबा पर पिछले साल 3 जून को नई सड़क पर हुई हिंसा के लिए उन्होंने ही पैसे मुहैया कराए थे, जिसके बाद यहां पर जबरदस्त हिंसा हुई थी।

धूल की चादर से ढका दिल्ली एनसीआर, लू के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली- एनसीआर में में पड़ रही गर्मी के बीच मंगलवार सुबह मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में धूलभरी हवाएं चली और पूरे आसमान में धूल की चादर दिखाई दी। धूल की वजह से विजिबिलिटी भी कम रही।

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सुबह से धूल की चादर छाई हुई है। कल रात से ही तेज हवाएं चल रही हैं। जिसके चलते आसमान में धूल की चादर देखी जा रही है। इससे आईजीआई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी 1100 मीटर तक कम हो गई है। पिछले पांच दिनों से लोगों को भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ा रहा था। इस दौरान कई इलाकों में ज्यादातर तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आज और कल दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन इससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस

दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से ही तेज धूप से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग ने मंगलवार को हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है। हालांकि, बारिश होने के बावजूद भी दिल्ली वासियों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री व न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

केजीएमयू में स्टैंड संचालक की गुंडागर्दी से सहमे मरीज और तीमारदार

100 से 300 रुपये का काट रहे हैं चालान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केजीएमयू में स्टैंड संचालक गुंडागर्दी कर अमादा हैं। गरीब मरीजों का जबरन 100 से 300 रुपये का चालान काट रहे हैं। पैसे न चुकाने पर चैन से गाड़ियां बांधकर तीमारदारों को एक से दूसरी जगह धक्के खाने को मजबूर कर रहे हैं। सोमवार को स्टैंड संचालकों ने बुजुर्ग मां का इलाज कराने आए बेटे का धक्का देकर भगा दिया।

बिना चालान जमा किए गाड़ी देने से मनाकर दिया। गर्मी से बेहाल गंभीर बुजुर्ग परेशान हो गईं। बेटा स्टैंड संचालकों के सामने गिड़गिड़ता रहा। अफसरों से फरियाद की। पर, सनुवाई नहीं हुई। कमजोरी, चक्कर समेत दूसरी समस्या लेकर सतीश कुमार अपनी मां को लेकर केजीएमयू ओपीडी पहुंचे। ओल्ड ओपीडी में चौकी के पीछे रैंप के नजदीक मोटरसाइकिल खड़ी कर दी। ताकि बुजुर्ग मां को अधिक चलना न पड़े। मेडिसिन विभाग में डॉक्टर की

स्टैंड संचालक शुभम।

सलाह के बाद दोनों गाड़ी के पास आए। देखा उसकी गाड़ी समेत 40 मोटरसाइकिल चेन में जकड़ दी गईं। तपती धूप में बुजुर्ग मां को लेकर सतीश आधे घंटे खड़े रहे। मां को छांव में बिठाने के बाद सतीश स्टैंड कर्मचारी के पास पहुंचा। तो कर्मचारियों ने उससे 300 रुपये जमा करने की बात कही। संचालक ने पीली पर्ची दिखाई। उसने इतना पैसा चुका पाने में असमर्थता जाहिर की। आरोप हैं स्टैंड कर्मचारियों ने सतीश को पुलिस चौकी से दूर ले जाकर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। कई तीमारदार बीच-बचाव में जुट गए। तीमारदारों ने कहा कि तमाम वाहन बीच सड़क व रैंप के पास खड़े हैं। इनका चालान नहीं किया। सिर्फ कुछ मोटरसाइकिल ही बांधी।

मैं शुभम हूं, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

मोटरसाइकिल का ताला खुलवाने के लिए लोग प्रॉक्टर ऑफिस गए। वहां से मुख्य पीआरओ आफिस गए। दोनों जगह उनकी सुनवाई नहीं हुई। दुखी तीमारदारों ने चौकी पर भी शिकायत की। कर्मचारियों ने एक महिला पुलिसकर्मी की गाड़ी भी बांध दी थी। जिसे खोलने के लिए शुभम नाम का व्यक्ति आया। तीमारदारों ने बाकी गाड़ियां भी खोलने के लिए कहा। शुभम ने कहा कि मैं ठेकेदार अतिन श्रीवास्तव का भांजा हूं। मेरे सिवा कोई दूसरा ताला खुलवा नहीं सकता है। अब तो 300 रुपये चालान जमा करना होगा। इसकी रसीद भी नहीं मिलेगी। देखता हूं मेरा कौन क्या बिगाड़ सकता है।

प्ले ऑफ में पहुंची गुजरात टाइटंस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही गुजरात प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। गुजरात की टीम 18 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं, हैदराबाद की टीम इस हार के साथ ही प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई है।

इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 188 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 154 रन ही बना पाई और मैच हार गई।

सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रनों से हराया

18 अंकों के साथ टॉप पर रही

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही गुजरात के पास 18 अंक हो गए हैं और गुजरात प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं, हार के साथ हैदराबाद के लिए प्लेऑफ के दरवाजे बंद हो गए हैं। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुभमन गिल के शतक के चलते 188 रन बनाए थे। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम हेनरिच क्लासेन के शानदार अर्धशतक के बावजूद 154 रन ही बना पाई और मैच 34 रन से हार गई। गुजरात के लिए बल्ले के साथ शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन ने 47 रन की पारी खेली। वहीं, हैदराबाद के लिए भुवनेश्वर कुमार ने पांच विकेट लिए। मैच की दूसरी पारी में क्लासेन ने 64 और भुवनेश्वर कुमार ने 27 रन बनाए। वहीं, गुजरात के लिए शमी और मोहित शर्मा ने चार-चार विकेट लिए।

फोटोः सुमित कुमार

आस्था राजधानी लखनऊ में ज्येष्ठ के दूसरे मंगलवार को सुबह से ही हनुमान मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी तथा शहर के विभिन्न जगहों पर भण्डारे का आयोजन हुआ जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कांग्रेस की जीत के बाद शरद पवार ने बनाया नया प्लान

» महाविकास आघाड़ी की बैठक में बोले-सारे चुनाव मिलकर लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कर्नाटक में बीजेपी की करारी हार के बाद एनसीपी प्रमुख शरद पवार के घर महाविकास आघाड़ी की बैठक हुई। इस बैठक में फैसला हुआ कि महाविकास आघाड़ी विधानसभा, लोकल बॉडी और लोकसभा का चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी। इसी के साथ सीट शेयरिंग को लेकर शुरुआती दौर की चर्चा भी हुई। बैठक के बाद कहा गया कि सहमति बन गई है राज्य में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव तीनों पार्टियां मिल कर लड़ेंगी। सीटों के बंटवारे को लेकर कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि कर्नाटक चुनाव के बाद एमवीए कार्यकर्ता उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लोगों तक कैसे पहुंचाएं इस पर चर्चा हुई। संजय राउत ने मीडिया से बातचीत में कहा, पार्टी (एमवीए) में कोई गलतफहमी नहीं है। अगर कर्नाटक में 40 फीसदी करप्शन है तो महाराष्ट्र में 100 फीसदी करप्शन है।

कांग्रेस की ही नहीं विपक्ष की भी जीत हुई है

एमवीए गठबंधन के नेताओं ने एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के मुंबई स्थिति आवास 'सिल्वर ओक' पर बैठक की। इसमें उद्धव ठाकरे, नाना पटोले, सुप्रिया सुले, अजित पवार समेत कई बड़े चेहरे शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी चर्चा हुई। संजय राउत ने कहा कि एमवीए में कोई मतभेद नहीं है। कर्नाटक में कांग्रेस की ही नहीं बल्कि विपक्ष की भी जीत हुई है। इसका असर महाराष्ट्र पर भी पड़ेगा।

पुणे में कर्नाटक के नए सीएम को किया जाएगा सम्मानित

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि बीजेपी और मोदी-शाह के खिलाफ कर्नाटक के लोगों ने अपना गुस्सा वोटों के जरिए जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि महा विकास अघाड़ी की संयुक्त जनसभाएं एक बार फिर शुरू होने जा रही है। उन्होंने कहा कि अगली सभा पुणे में होगी और पुणे में होने वाली बैठक में कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया जाएगा।

शाइस्ता और गुड्डू मुस्लिम के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

» देश छोड़कर नहीं जा पाएंगे लेडी डॉन और दो शूटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रही शाइस्ता परवीन समेत तीन आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है। कमिश्नरेट पुलिस की रिपोर्ट पर इनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। इनमें पांच लाख का इनामी गुड्डू मुस्लिम व साबिर भी शामिल है। इस कार्रवाई के बाद अब तीनों के देश छोड़कर जाने पर रोक लग गई है।

अतीक की पत्नी शाइस्ता उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार है। उस पर हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोप है। इसके अलावा गुड्डू मुस्लिम व साबिर हत्याकांड को अंजाम देने वाले शूटरों में शामिल हैं। पुलिस और एसटीएफ लगातार इनकी तलाश में जुटी है। गुड्डू मुस्लिम की तलाश में उड़ीसा, मप्र, मुंबई आदि राज्यों में दबिश दी जा चुकी है।

एक साल तक रहेगा प्रतिबंध

तीनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी होने की सूचना गृह मंत्रालय के माध्यम से सभी एयरपोर्ट, बंदरगाह व अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर तैनात अधिकारियों को भेज दी गई है। सूत्रों ने बताया कि लुकआउट नोटिस की वैधता एक साल तक है। यानी तीनों फरार आरोपियों के एक साल तक देश छोड़कर जाने पर प्रतिबंध जारी रहेगा। जरूरत पड़ने पर कमिश्नरेट पुलिस इस अवधि को बढ़वाने के लिए भी रिपोर्ट भेज सकती है।

फोटो :4 पीएम

वितरण आज राजधानी लखनऊ में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रोजगार मेले के आयोजन में उपस्थित होकर युवओं को दिया नियुक्ति पत्र।

15 दिन में लें फैसला, नहीं तो आंदोलन : पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की जनसंघर्ष यात्रा सोमवार को जयपुर में पूरी हो गई। भांकरोटा में हुई जनसभा में पायलट ने अपनी ही सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सरकार के सामने तीन मांगे रखीं और कहा कि इस महीने के आखिर तक यदि ये मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे प्रदेश में हम आंदोलन करेंगे। अभी तक गांधीवादी तरीके से अपनी बात रख रहे थे। पायलट ने कहा- गांव-ढाणी, शहरों में बड़ा आंदोलन होगा।

न्याय करवाएंगे। हम लोगों के पास कुछ नहीं

है। हम तो पैर में जूता डालकर निकल पड़े थे। गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि हम बिना पद के गाली खा-खाकर संगठन के लिए काम कर रहे हैं और आप सत्ता में बैठकर मलाई खा रहे हो।

मैं दबने वाला नहीं हूं

पायलट ने कहा, मैं किसी पद पर रहूं या न रहूं। राजस्थान की जनता की सेवा करता रहूंगा। डरने वाला नहीं हूं, दबने वाला नहीं हूं। आपके लिए लड़ा हूं और लड़कर रहूंगा। कुछ लोग इस सभा को बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं।

लोग यह सुन लें कि मुझे किसी सीमा में न बांधें, मैं किसी एक धर्म या समाज का नहीं हूं। मैं 36 कौम का बेटा हूं। राजस्थान का बेटा हूं।

त्रयंबकेश्वर मामले में एसआईटी जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक के प्रसिद्ध त्रयंबकेश्वर मंदिर में खास समुदाय के लोगों के जबरन घुसने के मामले में राज्य सरकार ने संज्ञान लिया है। महाराष्ट्र डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया है।

बता दें कि त्रयंबकेश्वर मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। मंदिर ट्रस्ट के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि त्रयंबकेश्वर मंदिर में विशेष समूह के लोग जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने कोशिश को नाकाम कर दिया। मंदिर प्रबंधन के अनुसार इसमें केवल हिंदुओं को प्रवेश करने की अनुमति है। मंदिर ट्रस्ट ने इस मामले की पुलिस को शिकायत दी थी। इस घटना के कुछ वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए।

एडीजी होंगे प्रमुख

बयान में कहा गया है कि एसआईटी न केवल इस घटना की जांच करेगी, बल्कि इसी तरह की एक और घटना की भी जांच करेगी जो पिछले साल इसी मंदिर में हुई थी। फडणवीस ने बयान में कहा कि कुछ समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाला एक समूह मंदिर में प्रवेश कर गया था। मामले की जांच की जाएगी।

दिल्ली में फिर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल में लिखा- विद्यालय में धमाका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के एक और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और अन्य टीम मौके पर पहुंच गई हैं और जांच की जा रही है। इससे पहले भी कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली के साकेत के पुष्प विहार स्थित अमृता पब्लिक स्कूल में मंगलवार सुबह 6:45 बजे बम रखे होने की सूचना मिली। बम की सूचना ईमेल के जरिए दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य टीम मौके पर पहुंच गई। दक्षिण जिला डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि मेल आने के बाद स्कूल में चेकिंग अभियान शुरू किया गया। सभी जगह चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस को कोई संदिग्ध

दो महीने में तीसरी घटना

गौरतलब है कि इससे पहले डिफेंस कॉलोनी स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल और डीपीएस मथुरा रोड में बम रखे होने की दो दो बार सूचना मिल चुकी हैं। 26 अप्रैल को मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। 12 अप्रैल को साउथ दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी थाना इलाके के सादिक नगर में स्थित एक स्कूल को बम से उड़ाने की मिली थी। धमकी के बाद अफरा-तफरी मच गई थी।

वस्तु नहीं मिली है। उनका कहना है कि यह पता किया जा रहा है कि यह मेल कहां से और किसने भेजी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।